eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 05, May 2023

"ऑनलाइन शिक्षा"

[1]कु. गायत्री दोहरे
[1]बी. एड. छात्रा, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)

Abstract

ऑनलाइन शिक्षा वह शिक्षा है जो इंटरनेट पर होती है। ऑनलाइन शिक्षा एक प्रकार की दूरस्थ शिक्षा होती है, जिसमे सीखने वाले स्टूडेंट पारंपरिक कक्षा के बजाय अपने घर या अन्य जगह से शिक्षा ग्रहण करते है। ऑनलाइन शिक्षा में प्राथमिक संस्थानों द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम शामिल होते हैं जो बड़े पैमाने पर ऑनलाइन कराए या पढ़ाए जाते हैं। ऑनलाइन शिक्षण का मतलब इंटरनेट पर दी जाने वाली आभासी कक्षाएं होता है जो स्कूल भवन में लिए जाने वाले पारंपरिक कक्षाओ के विपरीत होती हैं।

ऑनलाइन एजुकेशन शिक्षा का नया तरीका है जिसके माध्यम से हर कोई घर बैठे पढ़ाई इंटरनेट की मदद से ऑनलाइन कर सकता है, ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने को ही ऑनलाइन एजुकेशन कहा जाता है, जिसके अंतर्गत स्टूडेंट को किसी शिक्षा संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की आवश्यता नही होती है, स्टूडेंट अपने हिसाब से कभी भी पढ़ाई कर सकते है और कोई भी कोर्स ऑनलाइन करके डिग्री हासिल कर सकते है। भारत में हर कोई सीखने के इस नए माध्यम को स्वीकार कर रहा हैं। ऑनलाइन एजुकेशन को ई–लर्निंग के रूप में भी जाना जाता है। ऑनलाइन एजुकेशन का बहुत बड़ा दायरा है और समय सीमा वाले सभी लोग इसकी ओर अपना रुख कर रहे हैं। कई टॉप विश्वविद्यालय, संगठन और कॉलेज ऑनलाइन एजुकेशन सिस्टम को स्वीकार कर रहे हैं।

मुख्य शब्द– ऑनलाइन शिक्षा, इंटरनेट, एजुकेशन सिस्टम एवं प्रभावी शिक्षा।

Introduction

ऑनलाइन शिक्षा छात्रों के लिए सस्ती है और फ्लेक्सिबल है क्योंकि लोग अपनी सहलुयत के हिसाब से किसी भी स्थान से सीख सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा के लिए कोई उम्र सीमा नहीं है और कोई भी कहीं से भी कोई भी कोर्स आसानी से कर सकता है। पिछले कई वर्षों से ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा की गुणवत्ता को बदल दिया है और पहले की तुलना में शिक्षा काफ़ी बेहतर हुई है।

मार्केट में कई ऑनलाइन एजुकेशन सर्विस प्रदाता हैं जो मुफ्त में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, जैसे – यूट्यूब वीडियो के ज़रिए ! ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती मांग को देखते हुए कई व्यापारिक प्रतियोगी ऑनलाइन एजुकेशन बिज़नेस में प्रवेश कर रहे हैं। अच्छी गुणवत्तापूर्ण वाली शिक्षा प्रदान करने वालो का भविष्य काफ़ी उज्ज्वल है।

ऑनलाइन शिक्षा के प्रकार– ऑनलाइन शिक्षा पर निबंध में जानते हैं कि ऑनलाइन शिक्षा के प्रकार क्या–क्या हैं–

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 05, May 2023

- सिंक्रोनस शैक्षिक व्यवस्थाः यह रियल टाइम लर्निंग या लाइव टेलीकास्ट लर्निंग है। इस शैक्षिक व्यवस्था में एक ही समय में शिक्षक और छात्रों के मध्य संवाद स्थापित होता है तथा अध्ययन की गतिविधियां संचालित की जाती हैं। ऑडियो और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, लाइव चैट तथा वर्चुअल क्लासरूम आदि इसके उदाहरण हैं।

- असिंक्रोनस शैक्षिक व्यवस्थाः इस शैक्षिक प्रणाली में छात्र अपनी स्वेच्छा से जब चाहे दी गई अध्ययन सामग्री को पढ़ या देख व सुन सकता हैं। इसमें रिकोर्डड क्लास विडियो, ऑडियो ई बुक्स, वेब लिंक्स, प्रेक्टिस सेट आदि सम्मिलित हैं। भारत में अधिकतर लोग इस शैक्षिक पद्धति के जरिये पढना पसंद करते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा के फायदेः–

1. शिक्षक के साथ नियमित संपर्क– ऑनलइन शिक्षा में आप कही भी टीचर के साथ जुड़ सकते है और शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। पहाड़ी इलाको में बरसात के मौसम में भूस्खन से रास्ता बंद हो जाता हैं जिसके कारण स्टूडेंट स्कुल कोलाज नहीं जा पते। ऑनलाइन के माध्यम से यह समस्या दूर हो गयी हैं।

2. बेहतर फ्लेक्सिबिलिटी– ऑनलाइन शिक्षा आपको किसी भी समय शिक्षा का अवशर प्रदान करता हैं। स्टूडेंट के पास जितने टाइम समय मिले वह उसी समय वीडियो ऑडियो के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर सकता हैं। साथ ही वीडियो को सेव करके रख भी सकता हैं ताकि वह रिवीजन भी कर सके। ऑनलाइन शिक्षा में आपके पास कई विकल्प होते है शिक्षा प्राप्त करने के लिए।

3. प्रभावी शिक्षा – ऑनलाइन शिक्षण शिक्षकों को छात्रों को शिक्षा देने का एक प्रभावी तरीका प्रदान करता है। ऑनलाइन सीखने में वीडियो, पीडीएफ, पॉडकास्ट जैसे कई उपकरण हैं और शिक्षक इन सभी उपकरणों का उपयोग अपनी पाठ योजनाओं में कर सकते हैं। ऑनलाइन संसाधनों को शामिल करके पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों का विस्तार किया जा सकता हैं।

4. किसी भी समय पर शिक्षा– ऑनलाइन शिक्षा में आपके पास समय की पांबदी नहीं रहती हैं आप जब चाहे ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। आप कुछ भी सिख सकते है इंटरनेट में सभी जानकारी उपलब्ध होती हैं। जिसे आप पड़ना कहते हो। कई वेबसाइट है जो कोर्स उपलब्ध करते हैं। आप उसे ज्वाइन कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा के लिए कोई टाइम टेबल नहीं होता है। जबभी आपका मन करे उतने टाइम शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

5 .ऑनलाइन शिक्षा पद्धति में, परम्परागत शिक्षा प्रणाली की तरह विद्यालय में उपस्थित नहीं होना पड़ता। इससे समय की बचत होती हैं। आने–जाने की मेहनत एवं थकान से बचाव होता है। ऑटो रिक्शा आदि का खर्च बचता हैंद्य

6. इसका एक बड़ा फायदा यह है कि, ऑनलाइन शिक्षा में कागज और स्याही वाली कलम का प्रयोग नहीं होता है। जिससे कागज व अन्य प्राकृतिक सामग्री की बचत होती है।

ऑनलाइन शिक्षा के नुकसान–

1. ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था का एक बड़ा नुकसान यह है कि, इसमें सारा कार्य कंप्यूटर या मोबाइल डिजिटल डिवाइस स्क्रीन पर करना पड़ता है। इन डिवाइस की स्क्रीन से

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 05, May 2023

निकलने वाली किरणों से आंख की कोशिकाएं नष्ट होने की संभावना रहती है। जिससे दृष्टि संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है।

2. ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने के अलावा विद्यार्थियों ऑनलाइन गेम्स की लत में पड़ जाते है। इससे उनकी शिक्षा का नुकसान होता है।

3. ऑनलाइन शिक्षा में घर से बाहर नहीं जाना पड़ता है। इसलिए शारीरिक गतिविधियां न होने से शरीर आलसी बन जाता है।

4. ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली में अधिकतम कार्य डिजिटल होता है। जिसमें परम्परागत कॉपी–पेन की आवश्यकता नहीं होती है। सारा कार्य ऑनलाइन सॉफ्ट कॉपी में हो जाता है। इस कारण छात्रों के लिखने का अभ्यास छूट जाता है, और उनका लेख भी खराब हो जाता है। फलस्वरूप शब्दकोश, मात्राएं और वाक्यांश संबंधी त्रुटियाँ बढ़ जाती है

5. मोबाइल और इंटरनेट पर उपलब्ध आकर्षक सामग्री के कारण बच्चे पढ़ाई से दूरी बना लेते है। वे अपना अधिकतर समय मनोरंजन गतिविधियों पर खर्च करते है। जिससे उनका पढ़ाई के प्रति लगाव कम हो जाता है, और परीक्षा में असंतोषजनक रिजल्ट प्राप्त होता है।

ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव.– कोरोना महामारी ने पिछले 2 वर्षों में दुनिया भर में शिक्षा और शैक्षिक प्रणालियों को अत्यधिक प्रभावित किया है। कोरोना के प्रभाव को कम करने की कोशिशो में दुनिया भर की शिक्षण संस्थानों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। पूरी दुनिया में 100 करोड़ के आसपास शिक्षार्थी स्कूल बंद होने के कारण प्रभावित हुए हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल उठता है कि विद्यार्थी शिक्षा कैसे ग्रहण करें। इसके लिए कई बड़ी संस्थओं ने इसका एक ही हल निकाला वो है ऑनलाइन शिक्षा। जिसका असर हर जगह देखा जा सकता है।

ऑनलाइन शिक्षा एक प्रकार से कंप्यूटर के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा से प्राप्त की जा रही है। ऑनलाइन शिक्षा के लिए कम्प्यूटर और कई तरह के गैजेट्स का सहारा लिया जाता है। पर इसके लिए इंटरनेट की क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए, इस बात पर हमें ध्यान देना होगा।

ऑनलाइन शिक्षा की आवश्यकता–

1. ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र एक्टिव रहकर व्यक्तिगत रूप से अपने नॉलेज और दक्षताओं का स्वयं निर्माण करता है। परिणाम स्वरूप वह स्वयं ही सीखता है।

2. ऑनलाइन शिक्षा द्वारा 24 घंटे एवं सप्ताह के सातों दिन अध्ययन किया जा सकता है। अतः इसमें विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार अध्ययन कर सकता है।

3. ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी दूर–दूर बैठे हुए भी एक साथ एक समूह में अध्ययन कर सकते हैं। जिससे उनका समाजीकरण भी होता है।

4. ऑनलाइन शिक्षा में विद्यार्थी वेब कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा विषयवस्तु एवं प्रकरण पर किसी विषय विशेषज्ञ अथवा परस्पर अंतःक्रिया करते हुए अधिगम कर सकते हैं। जिसके कारण उनके पूर्व ज्ञान में वृद्धि होती है।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 05, May 2023

ऑनलाइन शिक्षा का क्या महत्व– ऑनलाइन शिक्षा के कारण बच्चों को अब उतना समय पढ़ाई में नहीं लगाना पड़ता जितना स्कूल में खर्च करना पड़ता था। उनके समय की बचत होती है। इसके अलावा, बच्चे अब स्कूल जाने से ऊब नहीं रहे हैं, जो एक महत्वपूर्ण लाभ है। ऑनलाइन शिक्षा से स्कूली बच्चों का समय बचेगा और उन्हें अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा।

आनलाइन शिक्षा कितना उपयोगी– ऑनलाइन शिक्षा से समय बचता है। साथ ही, छात्र शिक्षा को अपने घर में आराम से ले सकते हैं। बच्चे लगातार अपने शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षा से पढ़ने के नए तरीकों को सिखाते हैं और पढ़ने में भी रूचि रखते हैं यही नहीं ऑनलाइन शिक्षा में ट्यूशन या बड़े –बड़े कोचिंग सेंटर का खर्च भी बचता है।

निष्कर्ष– अंत में निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता हैं यदि प्रबंधित रूप से बच्चों को ऑनलाइन माध्यम द्वारा सीखने के अवसर दिए जाए तो वह तनाव रहित होकर रूचि के साथ सीख सकता हैं. हम टेक्स्ट बुक्स के पाठ्यक्रम के साथ इस नवीन पद्धति को नहीं अपना सकते हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के लिए हल्के फुल्के क्रेस कोर्स बनाए जाए जो अल्प समय में सीखे जा सकते हैं. कोचिंग संस्थान भी निरंतर दस और बारह घंटों की भारी भरकम क्लास लेने की बजाय बच्चों की सेहत का ख्याल करते हुए कम समय में आकर्षक फीचर के साथ अध्यापन की व्यवस्था कराएं तो इस तकनीक आधारित शिक्षण से अधिकतम लाभ लिया जा सकता हैं।

ऑनलाइन शिक्षा जो आज के बदलते हुए डिजिटल युग के समय की मांग है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और डिजीटल मीडिया के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की जाती है।

बुनियादी इंटरनेट ऑडियो, वीडियों की जानकारी मात्र होने से भी छात्र ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। आज की इन विषम परिस्थितियों में छात्र ऑनलाइन शिक्षकों के निर्देशानुसार ही शिक्षा प्राप्ति में जुटे हैं, वे अपना विभिन्न पाठ्यक्रम पूरा कर रहे हैं दूसरी ओर खेल–खेल में ज्ञान परक कंम्प्यूटर कार्यक्रमों का निर्माण हुआ और हो रहा है। इस तरह यह ऑनलाइन शिक्षण देश और समाज के लिए हितकारी होगा।

समय की मांग एवं विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य से जुड़ी यह ऑन लाइन शिक्षा छात्रों को रूचिकर एवं आकर्षक तरीके से शिक्षाप्राप्ति के अवसर भी प्रदान करती है। यही कारण है कि आज की इन परिस्थितियों में यह ऑनलाइन शिक्षा विद्यार्थी जीवन का एक अनिवार्य और अभिन्न अंग बन चुकी है इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता है।

References:-

1. Broadwell, M. M. (1980). The lecture method of instruction. Englewood Cliffs, NJ: Educational Technology Publications.
2. Broadwell, M. M. (1980). The lecture method of instruction. Englewood Cliffs, NJ: Educational Technology Publications.

3. Brookfield, S. D. (1990). Discussion. In M. W. Galbraith(Ed.), Adult learning methods: A guide for effective instruction (pp. 197-204). Malabar, FL: Krieger Publishing Company.
4. Conner, M. L., Wright, E., DeVries, L., Curry, K., Zeider, C., & Wilmsmeyer, D. (1995). Learning: The critical technology, a white paper on adult education in the information age. St. Louis: Wave Technologies International, Inc.
5. Cox, B. (1994). Practical pointers for university teachers. London, England: Kogan Page Limited.
6. Cross, K. P. (1976). Accent on learning: Improving instruction and reshaping the curriculum. San Francisco: Jossey-Bass Publishers.
7. Dolence, M. G., & Norris, D. M. (1995). Transforming higher education: A vision for learning in the 21st century. Ann Arbor, MI: Society for College and University Planning.
8. Ellsworth, J. H. (1995). Using computer-mediated communication in teaching university courses. In Z. L. Berge & M. P. Collins (Eds.), Computer Mediated Communication and the Online Classroom, Vol. I: Overview and Perspectives. Cresskill, NJ: Hampton Press, Inc.
9. Farrah, S. J. (1990). Lecture. In M. W. Galbraith (Ed.) Adult learning methods: A guide for effective instruction (pp. 161-186). Malabar, FL: Krieger Publishing Company.
10. Forrest, E. J., Chamberlain, M., & Chambers, E. (1996). Issues in interactive communication: The impact of the new technologies on society.
11. Gilley, J. W. (1990) Demonstration and simulation. In M. W. Galbraith (Ed.) Adult learning methods: A guide for effective instruction (pp. 261-281). Malabar, FL: Kreiger Publishing Company.
12. Parks Daloz, L. A. (1990). Mentorship. In M. W. Galbraith (Ed.), Adult learning methods: A guide for effective instruction (pp. 205-224). Malabar, FL: Krieger Publishing Company.
13. Paulsen, M. F. (1995). The online report on pedagogical techniques for computer-mediated communication.
14. Pitt, T. J. (1996). The multi-user object oriented environment: A guide with instructional strategies for use in adult education. Unpublished manuscript.
15. Rogers, C. R. (1969). Freedom to learn. Columbus: Charles E. Merrill Publishing Company.
16. Scigliano, J. A., Joslyn, D. L., & Levin, J. (1988). An online classroom for the non-school learning environment. Available: scigl@alpha.acast.nova.edu.
17. Shade, L. R. (1992). Gender issues in computer networking [49 paragraphs]. Available gopher: csf.colorado.edu:/femisa/shortpapers/gender.issues.in.computer.nets.
18. Sisco, B. R. (1990). Forum, panel, and symposium. In M. W. Galbraith (Ed.), Adult learning methods: A guide for effective instruction (pp. 283-301). Malabar, FL: Krieger Publishing Company.
19. Tyler, R., W. (1949). Basic principles of curriculum and instruction. Chicago: The University of Chicago Press.

20. Witkin, H. A. (1976). Cognitive style in academic performance and in teacher-student relations. In S. Messick (Ed.) Individuality in learning (pp. 38-72). San Francisco: Jossey-Bass Publishers.